सन् 2013 में 10 अप्रेल के दिन यूटाह (अमेरिका) की बिंघम कैन्यन माइन में इतना भारी लैण्डस्लाइ हुआ कि सौ मील प्रति घंटा की रफ्तार से लगभग 65 से 70 मिलियन क्यूबिक मीटर मलबा खान के पिट (गड्ढे) में आकर गिरा। यह घटना इतनी बड़ी थी आस-पास पृथ्वी हिल गई। भूकम्प रिकॉर्ड करने के लिए लगाए गए सैस्मिक सैन्सर्स ने इसके कंपन को रिकॉर्ड किया। रिक्टर स्केल पर इसका माप 2.5 रिकॉर्ड हुआ। दूसरे शब्दों में, यह लगा मानो भूकम्प आया है। नॉर्थ अमेरिका के इतिहास में यह भूस्खलन सबसे बड़ी ''नॉन वॉल्कैनिक'' घटना थी, जो कि विश्व के सबसे बड़े मानव निर्मित गड्ढे में घटी। बिंघम कैन्यन से सन् 1906 से तांबा निकाला जा रहा है। पूरे अमेरिका की तांबे की आवश्यकता की 25 प्रतिशत पूर्ति इस खान से होती है। एक सदी से अधिक समय से हो रही खनन गतिविधि के कारण यहाँ 970 मीटर गहरा और 4 कि.मी. चौड़ा भीमकाय क्रेटर बन गया है। यह गड्ढा इतना भव्य व असाधारण है कि 1966 में इसे ''नैशनल हिस्टॉरिक लैण्ड मार्क'' का दर्जा दिया गया। अप्रेल की 10 तारीख को सुबह इतना मूवमैंट था कि तुरंत प्रभाव से खान को खाली कर दिया गया। उसके सात घंटे बाद पहला लैण्डस्लाइड हुआ और डेढ़ घंटे बाद दूसरा। मिट्टी व पत्थर की मात्रा इतनी अधिक थी, जिससे न्यूयॉर्क का सैन्ट्रल पार्क 20 मीटर मलबे के नीचे दब जाता। रोचक है कि इस लैण्डस्लाइड के कारण -16 छोटे -छोटे असली भूकंप आए। जिससे यह इतिहास का पहला ऐसा भूस्खलन बना, जिसके कारण भूकंप आए। जबकि इसके विपरीत, सदा ही भूकंप के कारण लैण्डस्लाइड की घटनाएं होती रही हैं।

'मोदी शासनकाल में 5.35 लाख करोड़ रू. का बैंक घोटाला हुआ'

राहुल गांधी ने कहा, लूट और धोखे के ये दिन केवल मोदी के दोस्तों के लिए ही अच्छे दिन हैं

नई दिल्ली/चंडीगढ़ 13 फरवरी (वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने रविवार को दावा किया कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार में अब तक 5.35 लाख करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी हुई है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी ने एक ट्वीट में केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, मोदी शासन में अब तक 5.35 लाख करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी हुई है। लूट और धोखा के ये दिन केवल मोदी दोस्तों के लिए 'अच्छे दिन' हैं। साथ ही उन्होंने 'किसके अच्छे दिन' लिखा एक हैशटैग भी किया है।

कांग्रेस नेता का बयान सी.बी.आई. द्वारा गुजरात स्थित ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर एस.बी.आई. सहित बैंकों के संघ को 22,842 करोड़ रुपये का नुकसान करने के लिए मामला दर्ज करने के कुछ दिनों बाद आया है।

- **कांग्रेस नेता का बयान सी.बी.आई. द्वारा गुजरात स्थित ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड, उसके प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर एस.बी.आई. सहित बैंकों के संघ को 22,842 करोड़ रुपये का नुकसान करने के लिए मामला दर्ज करने के कुछ दिनों बाद आया है।**
- **इससे पहले कांग्रेस नेता एवं पार्टी प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि, मोदी सरकार बैंक धोखेबाजों के लिए 'लूटो और भागो' फ्लैगशिप योजना चला रही है।**

इससे पहले कांग्रेस नेता एवं पार्टी प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार बैंक धोखेबाजों के लिए 'लूटो और भागो' फ्लैगशिप योजना चला रही है। धोखेबाजों का सत्ता प्रतिष्ठान से घनिष्ठ संबंध और स्नेह है। ऋषि अग्रवाल और अन्य इसके नए 'रत्न' हैं।

सुरजेवाला ने दावा किया, पिछले सात वर्षों में बैंकों में हुए 5.35 लाख करोड़ रुपये की धोखाधड़ी ने देश की बैंकिंग प्रणाली को बर्बाद कर दिया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने आखिरकार सात फरवरी को ऋषि कमलेश अग्रवाल और अन्य के स्वामित्व वाले गुजरात स्थित ए.बी.जी. शिपयार्ड के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन लोगों पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एस.बी.आई.) के नेतृत्व में 28 बैंकों को ठगने का आरोप है। यह पिछले 75 वर्षों में 22,842 करोड़ रुपये की सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी है। यह जनता के पैसे का घोर कुप्रबंधन है।

'अमरिंदर सिंह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई सांठ-गांठ थी, आज खुले में आ गई है। इसलिए हमें वो सरकार बदलनी पड़ी, इसलिए हमें एक नई राजनीति आपके सामने लानी पड़ी।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। कांग्रेस ने चुनाव में चन्नी को ही मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया हुआ है।

इस बीच कैप्टन ने पद से हटाये जाने के बाद कांग्रेस से इस्तीफा देकर पंजाब लोक कांग्रेस बना ली और भाजपा, शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में गिरावट का क्रम जारी

राज्य में रविवार को 2177 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 2606 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 13 फरवरी। प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार गिरावट का क्रम जारी है। इस दौरान रविवार को 2177 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं साढ़े चार हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। हालाकि इस बीच करोना से 7 और मरीजों की मौत हो गई है।

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी कमी के बाद 569 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में साढ़े चार हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं, हालाकि इस बीच 7 और मरीजों की मौत हो गई है।**

प्रदेश में रविवार को 429 मामले कम मिलने के बाद 2177 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इनमें 29 जिलों में सौ से भी कम मामले सामने आए है। इससे पहले शनिवार को राज्य में 2606 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में आज भी थोड़ी और कमी के बाद 569 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 137, जोधपुर में 115 और नागौर में 103 नये मरीज मिले है। वहीं अजमेर व गंगानगर में 98-98, उदयपुर में 86, सीकर में 78, बांसवाड़ा में 77, कोटा में 72, राजसमंद में 71, भीलवाड़ा में 68, जैसलमेर में 64, झुंझुनूं में 56, भरतपुर व बीकानेर में 47-47, सिरोही में 44, प्रतापगढ़ में 36, चूरू में 35, हनुमानगढ़ व पाली में 31-31, झालावाड़ व सवाई माधोपुर में 27-27, चित्तौड़गढ़ में 26, करौली में 22, बारां में 21, बूंदी में 20, दौसा में 19, डूंगरपुर में 17, टोंक में 12, बाड़मेर में 11, धौलपुर में 10 और जालोर में 2 नए संक्रमित मिले है।

इस बीच राज्य में 4510 और मरीज ठीक हुए है। इसके साथ ही अब तक 12 लाख 35 हजार 256 संक्रमित स्वस्थ हो चुके है। इसके साथ ही रिकवरी रेट बढ़कर 97.58 फीसदी हो गई है।

उधर प्रदेश में एक्टिव केस भी घटकर 21 हजार 64 रह गए हैं। राज्य में नए संक्रमितों की संख्या कम होने के बाद अब इस बीमारी से मरने वालों का आंकड़ा भी कम होने लगा है। रविवार को 7 संक्रमितों की मौत हुई है। इनमें अजमेर और जयपुर में 2-2 तथा उदयपुर, बीकानेर और जालौर में 1-1 संक्रमित की मौत हुई। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9463 लोगों की मौत हो चुकी है।

देश के 257 पुलिस थानों में वाहन व 638 में टेलीफोन तक नहीं

21वीं सदी के भारत में ऐसे कई पुलिस स्टेशन हैं जहाँ कनैक्टिविटी की कोई सुविधा नहीं है

नई दिल्ली, 13 फरवरी (वार्ता)। देश में अपराधों की रोकथाम ,उसकी जांच और कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने वाली एजेंसी पुलिस के 257 थानों में वाहन ,638 में टेलीफोन तथा 143 में वायरलेस या मोबाइल सेवा नहीं हैं । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली सांसद की एक स्थाई समिति ने हाल में दी गई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इक्कीसवीं सदी के भारत में भी कई ऐसे पुलिस स्टेशन हैं जहां टेलीफोन या समुचित वायरलेस कनेक्टिविटी नहीं है। विशेष रुप से अरुणाचल प्रदेश , ओडिशा और पंजाब जैसे राज्यों में यह समस्या है। इनमें से कई राज्यों को वर्ष 2018-19 में बेहतर प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया था। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर जैसे बहुत संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में बड़ी संख्या में ऐसे पुलिस स्टेशन हैं, जिनमे टेलीफोन या वायरलेस सेट नहीं है। समिति ने गृह मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह ऐसे राज्यों को अपने पुलिस स्टेशनों को तुरंत पर्याप्त वाहनों और संचार उपकरणों से लैस करने की सलाह दे सकता है अन्यथा इससे केंद्र से आधुनिकीकरण अनुदान को कम किया जा सकता है। समिति ने गृह मंत्रालय से यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा है।

- **कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की अध्यक्षता वाली सांसद की एक स्थाई समिति ने हाल में दी गई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया है।**
- **विशेष रुप से यह समस्या अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और पंजाब जैसे राज्यों में प्रमुख है।**

रिपोर्ट में समिति ने गृह मंत्रालय से सिफारिश की है कि वह देश में गैर घातक हथियारों की पर्याप्त विनिर्माण इकाइयों की स्थापना शुरू कर सकता है ताकि इस संबंध में कमी के मुद्दे को हल किया जा सके।

लगातार दूसरे दिन करोना के 50 हजार से कम नये मामले

नई दिल्ली, 13 फरवरी (वार्ता)। देश में करोना संक्रमितों की लगातार कम हो रही संख्या के बीच पिछले 24 घंटे में संक्रमण के करीब 45 हजार मामले सामने आये हैं, वहीं इसकी तुलना में दोगुने से अधिक लगभग एक लाख 17 हजार मरीजों ने महामारी को मात दी है, जिससे बड़ी राहत मिली है।

देश में शनिवार को 49,16,801 लोगों को करोना के टीके लगाए गए। इसी के साथ यहां अब तक 1,72,81,49,447 टीके लगाए जा चुके हैं।

- **रविवार को 1.17 लाख से अधिक लोग करोना से रिकवर हुए।**

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान करोना के 44,877 नये मामले दर्ज किये गये हैं और इसी के साथ संक्रमितों की संख्या 4,26,31,421 पर पहुंच गयी है। करोना की चपेट में आकर 684 लोगों की मौत भी हुई है, जिसके बाद मृतकों की कुल संख्या 5,08,665 हो गयी है। इसी बीच, इसी दौरान 117591 मरीजों ने करोना को मात दी है, जिसके साथ ही संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या 4,15,85,711 हो गयी है।

कोविड-19 के सक्रिय मरीजों की संख्या 73398 घटकर 537045 रह गयी है।

यू.पी. में दूसरे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि इस चरण में 2.02 करोड़ मतदाता 69 महिला उम्मीदवारों सहित कुल 586 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे।

इसके लिये सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं। चुनाव में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिये पहले चरण के मतदान से पूर्व स्थापित किया गया निगरानी तंत्र सुचारु रूप से काम कर रहा है।

यहां स्थित लोक भवन में गृह विभाग से संचालित हो रहे 'नियंत्रण कक्ष' में कोई भी व्यक्ति टेलीफोन, ई-मेल और फैक्स के माध्यम से कभी भी शिकायत कर सकेगा। इस पर तत्काल समुचित कार्यवाही भी सुनिश्चित की जा रही है।

सुरक्षा इंतजामों के तहत मतदान केन्द्रों पर केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवानों को तैनात किया गया है। संवेदनशील इलाकों में केन्द्रीय सुरक्षा बलों द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है जिससे मतदान के दिन मतदाता बेखौफ होकर मतदान कर सकें।

अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया कि सोमवार को 55 सीटों के 176 पुलिस थाना क्षेत्रों में मतदान होगा। इसके लिये 12,544 मतदान केन्द्रों के 23,404 मतदेय स्थलों पर मतदान के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। इस दौरान संवेदनशील विधान सभा क्षेत्रों के रूप में कुल 8 विधान सभा क्षेत्र नगीना, धामपुर, बिजनौर, असमोली, संभल, देवबन्द, रामपुर मनिहारन व गंगोह को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा दूसरे चरण में कुल 436 मजरे व मोहल्लों और 4917 मतदेय स्थलों को भी संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। यहां सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि पहले चरण वाली सीटों पर महिला चुनावकर्मियों द्वारा संचालित 122 पिंक बूथ पर 488 महिला पुलिसकर्मी और 42 महिला पुलिस निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक तैनात की गयी हैं। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिये केन्द्रीय सुरक्षा बल की 794.1 कंपनियां दी गयी हैं। इनमें से 733 कंपनियां मतदान केन्द्रों की सुरक्षा में लगायी गयी हैं।

मार्च में आएगा एल.आई.सी. का आई.पी.ओ.

एल.आई.सी. ने देश का अब तक का सबसे बड़ा आई.पी.ओ. लाने के लिए सेबी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया

मुंबई, 13 फरवरी। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एल.आई.सी.) ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आई.पी.ओ.) को उतारने के लिए रविवार को दस्तावेजों का मसौदा बाजार नियामक सेबी के समक्ष दाखिल कर दिया। अब माना जा रहा है कि सेबी की मंजूरी के बाद एल.आई.सी. मार्च में ही अपने आई.पी.ओ. को बाजार में उतार सकती है।

सरकार ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एल.आई.सी. के आई.पी.ओ. को संपन्न कराने के लिए पिछले साल सितंबर में 10 मर्चेंट बैंकरों की नियुक्ति की थी। इनमें गोल्डमैन सैक्स, सिटीग्रुप और नोमुरा भी शामिल हैं। वहीं कानूनी सलाहकार के तौर पर सिरिल अमरचंद मंगलदास को नामित किया गया था। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने जुलाई 2021 में एल.आई.सी. के विनिवेश को मंजूरी दी थी। इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा आई.पी.ओ. माना जा रहा है।

एल.आई.सी. आई.पी.ओ. में निवेश करने के लिए सबसे पहले आपके पास एल.आई.सी. पॉलिसी खाते से जुड़ा पैन और डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। यानी आपको जल्द से जल्द इन दोनों को कामों को निपटाना जरूरी है। गौरतलब है कि एल.आई.सी. 65 से अधिक वर्षों से भारत में जीवन बीमा प्रदान कर रहा है। आकलन के मुताबिक, भारीतय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) की कुल संपत्ति देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बीमाकर्ता, एस.बी.आई. लाइफ की संपत्ति से 16.3 गुना ज्यादा है। इस संबंध में जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, एल.आई.सी. 36.7 खरब ए.यू.एम. के साथ भारत में सबसे बड़ा परिसंपत्ति प्रबंधक है। इसका ए.यू.एम. स्टैंडअलोन आधार पर वित्त वर्ष 2011 के लिए भारत की जी.डी.पी. के 18 फीसदी के बराबर था।

- **आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने जुलाई 2021 में एलआईसी के विनिवेश को मंजूरी दी थी।**

चालू वित्त वर्ष के लिए विनिवेश लक्ष्य को घटाकर 78,000 करोड़ रुपये किया गया है। लेकिन इस लक्ष्य को पाने के लिए भी एल.आई.सी. की सूचीबद्धता महत्वपूर्ण है। सरकार अब तक एयर इंडिया के निजीकरण और अन्य सरकारी उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी बिक्री से करीब 12,000 करोड़ रुपये जुटा चुकी है।

आपको बता दें कि दुनिया की टॉप 10 बीमा कंपनियों में भारतीय कंपनी एल.आई.सी. भी शामिल है। इस सूची में 5 इंश्योरेंस कंपनियां चीन की हैं, जिसमें पिंग दुनिया का सबसे ज्यादा वैल्युएबल इंश्योरेंस ब्रांड है। वहीं अमेरिका की दो और फ्रांस, जर्मनी व भारत की एक-एक कंपनी शामिल हैं। भारत की सबसे बड़ी शेयर सेल करने जा रही एल.आई.सी. 8.656 अरब डॉलर (लगभग 64,722 करोड़ रुपये) की वैल्युएशन के साथ देश का सबसे मजबूत और सबसे बड़ा ब्रांड है।

तीन दिन से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बकाया 2 लाख रुपए भी दिलवाएंगे।

उधर रविवार को विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी ने भी मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के आवास पर पहुंचकर सांसद किरोड़ीलाल से मुलाकात की। उन्होंने भी इस लडाई में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया था। पीड़िता मनीष जाट ने कहा कि ''मैं विधानसभा क्षेत्र उदयपुरवाटी की बेटी हूं, मुझे न्याय जरूर मिलेगा, क्योंकि मेरे साथ उदयपुरवाटी के विधायक और सांसद किरोड़ीलाल मीणा भी है।''

विदेश मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहयोग पर वर्चुअल बैठक की थी। इस बैठक में वैश्विक स्वास्थ्य संकट, स्वास्थ्य और फार्मास्यूटिकल्स में सहयोग, कृषि, ऊर्जा और सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आर्थिक पुनरोद्धार को लेकर बातचीत हुई थी।

इसके अलावा बैठक में समुद्री सुरक्षा, खुफिया जानकारी साझा करने, सैन्य प्रशिक्षण, खरीद और रसद, आतंकवाद का मुकाबला करने, हवाई संपर्क, पर्यटन का विस्तार करने, बढ़ते शैक्षिक और छात्र आदान-प्रदान का समर्थन करने, वैकल्पिक और पारंपरिक चिकित्सा, वैक्सीन विकास के आशाजनक क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर भी चर्चा की गई थी।

अपनी यात्रा के दौरान डा. जयशंकर फिलिपींस के नेताओं से मुलाकात के अलावा मनीला में भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। इस यात्रा से फिलीपींस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है, जो आसियान का एक प्रमुख सदस्य भी है।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ सौदा फिलीपींस की नौसेना का सौदा तट-आधारित सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति और प्रशिक्षण के साथ-साथ आवश्यक रसद आपूर्ति के पैकेज के लिए है। फिलीपीन मरीन की तटीय रक्षा रेजिमेंट इस आधुनिक सामरिक रक्षा क्षमता का प्राथमिक उपयोगकर्ता होगा।

डा. जयशंकर मेलबर्न से मनीला जा रहे हैं, जहां उन्होंने चौथी क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

'ए.बी.जी. शिपयार्ड कंपनी का लोन 2013 में एन.पी.ए. में तब्दील हो चुका था'

एस.बी.आई. ने एक बयान जारी कर 22,842 करोड़ के इस बैंकिंग फ्रॉड की जानकारी दी

नई दिल्ली, 13 फरवरी। देश के सबसे बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में सी.बी.आई. ने ए.बी.जी. शिपयार्ड लिमिटेड और उसके तत्कालीन अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ऋषि कमलेश अग्रवाल समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया था कि यह मुकदमा भारतीय स्टेट बैंक (एस.बी.आई.) की अगुवाई वाले बैंकों के एक संघ से कथित रूप से 22,842 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी के संबंध में दर्ज किया गया।

अब इसे लेकर खुद एस.बी.आई. का भी बयान आया है। बैंक ने इस पूरे धोखाधड़ी मामले का घटनाक्रम सामने रखा है।

स्टेट बैंक ने कहा, ''आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के नेतृत्व में 2 दर्जन से अधिक उधारदाताओं ने पैसे दिए थे। कंपनी के खराब प्रदर्शन के कारण नवंबर 2013 में खाता गैर निष्पादित संपत्ति (एन.पी.ए.) में तब्दील हो गया था। कंपनी के संचालन को ठीक करने के लिए कई प्रयास किए गए लेकिन सब विफल रहे।

एस.बी.आई. की ओर से बताया गया है कि, मार्च 2014 में सभी उधारदाताओं द्वारा कंपनी ऋण पुनर्गठन (सी.डी.आर.) के तहत खाते की पुनर्रचना की गई थी।

शिपिंग उद्योग मंदी के दौर से गुजर रहा था, इसलिए कंपनी का संचालन पुनर्जीवित नहीं हो सका। पुनर्गठन विफल होने के कारण खाते को नवंबर 2013 से जुलाई 2016 में एन.पी.ए. के रूप में वर्गीकृत किया गया था। अप्रैल 2018 में उधारदाताओं द्वारा अर्न्स्ट एंड यंग को फॉरेंसिक ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया गया था। धोखाधड़ी मुख्य रूप से धन के विचलन, दुरुपयोग और आपराधिक विश्वासघात की रही।

- **एस.बी.आई. बैंक ने बताया कि, इस मामले की पहली शिकायत नवम्बर 2019 में सी.बी.आई. के पास दर्ज करायी गई थी।**

एस.बी.आई. ने यह भी बताया कि आखिर क्यों बैंकों के संघ की तरफ से उसने की मामले में केस दर्ज करवाया। दरअसल, आई.सी.आई.सी.आई. और आई.डी.बी.आई. बैंक कंसोर्शियम में पहले और दूसरे अग्रणी ऋणदाता थे। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एस.बी.आई. सबसे बड़ा ऋणदाता था। इसलिए यह तय हुआ कि सी.बी.आई. के पास शिकायत दर्ज एस.बी.आई. कराएगा।

सी.बी.आई. के पास पहली शिकायत नवंबर 2019 में दर्ज की गई थी। सी.बी.आई. का अन्य बैंकों के साथ लगातार संपर्क था। वर्तमान में खाता एन.सी.एल.टी. संचालित प्रक्रिया के तहत परिसमापन के दौर से गुजर रहा है। एस.बी.आई. ने साफ किया कि किसी भी समय प्रक्रिया में देरी करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

गौरतलब है कि इस मामले में एजेंसी ने कमलेश अग्रवाल के अलावा ए.बी.जी. शिपयार्ड के तत्कालीन कार्यकारी निदेशक संथानम मुथास्वामी, निदेशकों- अश्विनी कुमार, सुशील कुमार अग्रवाल और रवि विमल नेवेतिया और एक अन्य कंपनी ए.बी.जी. इंटरनैशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी कथित रूप से आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आधिकारिक दुरुपयोग जैसे अपराधों के लिए मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने बताया कि इन लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा किया गया है।

सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. के अनुसार घोटाला करने वाली दो प्रमुख कंपनियों के नाम ए.बी.जी. शिपयार्ड और ए.बी.जी. इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड हैं। दोनों कंपनियां एक ही समूह की हैं।

कंपनियों पर आरोप है कि घोटाले किए गए पैसे को विदेश में भेजकर अरबों रुपये की प्रॉपर्टी खरीदी गईं। 18 जनवरी 2019 को अर्नस्ट एंड यंग एलपी द्वारा दाखिल अप्रैल 2012 से जुलाई 2017 तक की फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट की जांच में सामने आया है कि कंपनी ने गैरकानूनी गतिविधियों के जरिये बैंक से कर्ज में हेरफेर किया और रकम ठिकाने लगा दी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908